the Maharashtra State Federation had not been able to effect any exports against the quota of 0.75 lakh bales allotted to it for the cotton year 1997-98.

राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अन्तर्गत कपड़ा मिलें

107. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ल:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय वस्त्र निगम उड़ीसा, मध्य प्रदेश और गुजरात में कितनी कपड़ा मिलों का प्रबंधन और पर्यवेक्षण करता है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान निगम को इन मिलों से कुल कितनी धनराशि का लाभ या हानि हुई है;

(ग) क्या निगम ने रुग्ण मिलों अथवा लगातार घाटे में चल रही मिलों को पुनरूज्जीवित करने तथा कपड़ा मजदूरों के उद्धार के लिए कोई कार्य योजना बनाई है; और

(घ) क्या सरकार ने ऐसी मिलों के प्रबंधन में कामगारों को भागीदारी देने पर विचार किया है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा): (क) और (ख) एन टी सी के अधीन उड़ीसा, मध्य प्रदेश तथा गुजरात में राष्ट्रीयकृत मिलों की संख्या क्रमशः एक, सात तथा ग्यारह है। पिछले तीन वर्षों के दौरान इन 19 मिलों को हुए निवल घाटे की कुल राशि निम्नानुसार है:

वर्ष	निवल घाटा (करोड़ रु०)
95-96	116.63
96-97 (अनंतिम)	153.27
97-98 (अनंतिम)	148.02

(ग) निवल पूंजी के कम होने के कारण एन टी सी (एम०पी०, गुजरात तथा डब्ल्यू बी ए बी एंड ओ) सहित एन टी सी के 9 सहायक निगमों में से 8 के मामले बी आई एफ आर को भेजे गए हैं, जिसने उन्हें रुग्ण घोषित कर दिया है। सरकार ने इन मिलों के लिए एक पुनर्वासन योजना बनाई है तथा उसे बी आई एफ आर के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है। पुनर्वासन के लिए निधियों की व्यवस्था एन टी सी की मिलों की बेशी भूमि तथा परिसम्पतियों की बिक्री से की जानी थी। बी आई एफ आर ने यह पाया कि एन टी सी (एम०पी०), एन टी सी (गुजरात) और एन टी सी (डब्ल्यू बी ए बी एंड ओ) सहित चार सहायक निगमों के मामलों में पुनर्वासन योजना व्यवहार्य नहीं है और इसीलिए इन चार सहायक निगमों को बंद करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। तथापि, बी आई एफ आर से अनुमोदन न मिलने तथा बिक्री की आय से निधियां उपलब्ध न होने के कारण पुनर्वासन योजना को क्रियान्वित नहीं किया जा सका। सरकार एन टी सी द्वारा किए गए एकक-वार अर्थक्षमता अध्ययन के आधार पर एन टी सी की अर्थक्षम मिलों के लिए संशोधित सर्वांगीण सुधार नीति पर विचार कर रही है।

(घ) उड़ीसा, गुजरात तथा मध्य प्रदेश में स्थित 19 मिलों में से 17 मिलों में एन टी सी इस समय प्रबंधन में कामगारों की सहभागिता की योजना क्रियान्वित कर रहा है।

राष्ट्रीय वस्त्र निगम की मिलों के स्वामित्व में अधिशेष भूमि

108. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आज की तिथि के अनुसार महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों में कुल कितनी अधिशेष भूमि राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अन्तर्गत बंद पड़ी मिलों के स्वामित्व में है;

(ख) इस अधिशेष भूमि का बाजार मूल्य क्या है और क्या इस भूमि पर अवैध कब्जा करने की कोई शिकायतें सामने आयी हैं;

(ग) क्या सरकार राजस्व प्राप्त करने के उद्देश्य से इस अधिशेष जमीन को बेचने का विचार रखती है; और

(घ) क्या सरकार ने इस संबंध में राज्य सरकारों से कोई बातचीत की है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा): (क) और (ख) एन०टी०सी० के पास महाराष्ट्र और गुजरात में कुल बेशी क्षेत्र 453.76 एकड़ है जिसका मूल्य 1984 करोड़ रुपए है। एन०टी०सी० की महाराष्ट्र और गुजरात में कोई भी मिल बंद नहीं है। एन०टी०सी० की मिलों की भूमि पर कुछ अतिक्रमण करने की सूचना प्राप्त हुई है तथा उपयुक्त कार्रवाई की जा रही है।

(ग) और (घ) एन०टी०सी० की मिलों का पुनरूद्धार करने के लिए निधियां जुटाने की दृष्टि से एन०टी०सी० की बेशी भूमि बेचने का प्रस्ताव है। यह मामला राज्य सरकारों के साथ उठाया गया है तथा इस संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से विचार-विमर्श भी किया गया है।